ECONOMICS

B A PART III

PAPER VII

Statistical Methods

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की Website ncert.nic.in पर जाएं।
- इसके मुख्य page पर सबसे ऊपर Link लिखा हुआ है।

Link के विषय सामग्री (content) में E-Books दिया हुआ है। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज पर E-Books के नीचे

Textbooks of Classes I-XII (PDF)

लिखा मिलेगा। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- पुनः नए पेज पर

Select Class में Class XI के गोले को दबाएं ।

Select Subject में Statistics के गोले को दबाएं ।

Select Book Title में Sankhyiki के गोले को दबाएं ।

पुनः Go के गोले को दबाएं ।

- पुस्तक "अर्थशास्त्र में सांख्यिकी" का चित्र आयेगा। साथ ही बाएं इसके अध्यायों की सूची आयेगी।
- इसके पंचम अध्याय, **chapter -5** "केंद्रीय प्रवृत्ति की माप" का अध्ययन करें।

अध्याय 4 से आगे यह अध्याय समांतर मध्य, माध्यिका और बहुलक आदि की गणना करना सिखाता है।

हमें सबसे पहले यह या रखना है कि आंकड़े तीन प्रकार के होते हैं -

1. **सामूहिक आंकड़े**
2. **असामूहिक आंकड़े**

असामूहिक आंकड़ों के लिए समांतर मध्य हम दो विधियों द्वारा गणना करते हैं –

A. प्रत्यक्ष विधि

B. कल्पित माध्य विधि

किन्तु सामूहिक आंकड़ों के लिए इन ओ विधियों के अलावा हम

C. पद विचलन विधि

का उपयोग करते हैं। इस अध्याय में तीनों विधियों से समांतर माध्य गणना की विधि को उदाहरण के साथ समझाया गया है। इसे सीखना आवश्यक है क्योंकि अगले अध्याय में माध्य विचलन एवं प्रमाप विचलन की गणना में इसकी आवश्यकता होगी।

साथ ही **केंद्रीय प्रवृत्ति** के इस अध्याय से कम से कम एक प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं। जिसमे समांतर मध्य की गणना प्रमुख है।

इसके अलावा **"भारित समांतर माध्य"** की अवधारणा को समझाया गया है। यह आगे अर्थशास्त्र के ज्ञान और अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है। अर्थशास्त्र के अध्ययन में इसकी क्या उपयोगिता और प्रासंगिकता है।

- इस पुस्तक में 9 अध्याय हैं। सभी हमारे कोर्स से संबंधित और उपयोगी हैं। इस पुस्तक का अध्ययन खासकर उन छात्रों के लिए उपयोगी है जिन्होंने इससे पहले सांख्यिकी का अध्ययन नहीं किया है।
- इस प्रथम परिचय पुस्तक को पढ़ने के बाद BA level की अन्य पुस्तकों का अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

इस क्षेत्र से २० अंक का एक प्रश्न अवश्य पूछा जाता जो सामान्यतः theoritical प्रश्न के रूप में होता है। अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।

साथ ही कई प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनकी समझ और विश्वास में निरंतर अभ्यास से वृद्धि हो।

कोरोनावायरस की इस विभीषिका काल में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण परिषद (NCERT) इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

Prof. Chanchal Kumar Pandey

Head

Department of Economics

Maharaja College

Ara